Daily Current Affairs

Date : 23 April, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट, 2026
2.	मोबाइल वेटरनरी यूनिट
3.	लेफ्टिनेंट जनरल सागत सिंह की मूर्ति का अनावरण
4.	अधिकारियों को मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड
5.	आदि शंकराचार्य (8वीं शताब्दी ईस्वी)
6.	भारत में खाद्यान्न उत्पादन
7.	पाम ऑयल
8.	भारत में खाद्य प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र
9.	दिव्यांग-अनुकूल जेल सुधार
10.	स्माइल योजना
11.	मीथेन उत्सर्जन
12.	पृथ्वी दिवस
13.	शेखा झील पक्षी अभयारण्य
14.	T-72/T-90 टैंकों के लिए ट्रॉल असेंबली
15.	ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू 2026 रिपोर्ट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट, 2026

चर्चा में क्यों?

- राज्य/जिला स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों की क्षमता का आकलन करने वाली उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट, 2026 में राजस्थान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** इस रिपोर्ट का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता अदालतों की संस्थागत क्षमता का आकलन करना और बजट, बुनियादी ढाँचे व कर्मचारियों की कमी जैसी खामियों को उजागर करना है।
- **जारीकर्त्ता:** इंडिया जस्टिस रिपोर्ट।
- **प्रथम स्थान:** आंध्रप्रदेश तथा छोटे राज्यों में मेघालय।
- **राजस्थान:** तीसरा स्थान (बजट बुनियादी ढाँचे और मानव संसाधन जैसे 11 मानदंडों पर बेहतर प्रदर्शन। स्कोर (5.82/10))

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मोबाइल वेटरनरी यूनिट

चर्चा में क्यों?

- **प्रदेश में 62 लाख पशुओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 536 मोबाइल वेटरनरी यूनिट की शुरुआत की गई है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- इस योजना को आधुनिक तकनीकी से जोड़ने के लिए इसमें चैटबॉट सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।
- इसके माध्यम से ऑडियो एवं विडियो टेली परामर्श सहित ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन की सुविधा भी पशुपालकों को दी जा रही है।

एमवीयू:

- **उद्देश्य:** पशुपालकों को उनके पशुओं के लिए नि:शुल्क उनके घर पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना।

विशेषताएँ:

1. एमवीयू में पशु चिकित्सा, लघु शल्य चिकित्सा, कृमिनाशक, गर्भ जाँच, टीकाकरण जैसी सेवाएँ शामिल है।
2. प्रत्येक मोबाइल यूनिट में एक पशु चिकित्सक, एक पशुधन सहायक और एक वाहन चालक कम हेल्पर को लगाया गया है।
3. सभी वाहन आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों तथा दवाइयों से लैस होंगे।
4. **व्यय राशि योगदान:** 60 प्रतिशत भारत सरकार + 40 प्रतिशत राज्य सरकार।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह की मूर्ति का अनावरण

चर्चा में क्यों?

- मुख्यमंत्री ने चूरू जिला मुख्यालय पर भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह की मूर्ति का अनावरण किया।

मुख्य बिन्दु:

- इसी के साथ "शौर्य के साथ संकल्प दिवस" कार्यक्रम को संबोधित किया। साथ ही चूरू जिला स्टेडियम का नाम सगत सिंह राठौड़ स्टेडियम किया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़:

- **जन्म:** 14 जुलाई, 1919, चूरू (कुसुमदेसर)
- **मृत्यु:** 26 सितम्बर, 2001

प्रमुख सैन्य उपलब्धियाँ:

1. गोवा मुक्ति 1961 – ऑपरेशन विजय
2. नाथू-ला और चो ला संघर्ष, 1967
3. 1971 का बांग्लादेश युद्ध

- **उपाधि:** अजेय योद्धा व 'सैनिकों का जनरल'
- **सम्मान:** परम विशिष्ट सेवा मेडल (PVSM)
- **जीवनी:** 'A Talent of war' – **लेखक** – मेजर जनरल रणधीर सिंह।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अधिकारियों को मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड

चर्चा में क्यों?

- 21 अप्रैल सिविल सेवा दिवस के उपलक्ष्य में एचसीएम रीपा में आयोजित समारोह में 9 लोक सेवकों को मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया है।

मुख्य बिन्दु:

सम्मान:

1. **शासन श्रेणी –** आरती डोगरा, सिद्धार्थ महाजन
2. **फ्लेगशिप योजना श्रेणी –** डॉ. खुशाल यादव, रोहिताश्व सिंह तोमर, राजीव तोमर
3. **नवाचार श्रेणी-** कृष्ण कुणाल, गायत्री ए. राठौड़, नकाते शिवप्रसाद मदन एवं पी. बालामुरूगन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

आदि शंकराचार्य (8वीं शताब्दी ईस्वी)

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने आदि शंकराचार्य की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिन्दु:

आदि शंकराचार्य:

- **जन्म:** उनका जन्म 788 ईस्वी में केरल के कालड़ी में हुआ था।
- उन्होंने अद्वैत (अद्वैतवाद) दर्शन का प्रचार किया।
- इनके अनुसार आत्मा (स्व) और ब्रह्म अलग नहीं हैं, बल्कि एक ही हैं (सर्वोच्च, परम, निराकार और शाश्वत)।
- संसार में जो भेद दिखाई देता है, वह माया है। मोक्ष तभी मिलता है जब व्यक्ति इस एकत्व को समझ लेता है।
- उन्होंने भारत की चार दिशाओं में चार मठों की स्थापना की: श्रृंगेरी (दक्षिण), द्वारका (पश्चिम), पुरी (पूर्व), और बद्रीनाथ (उत्तर)।
- **साहित्यिक कृतियाँ:** भज गोविंदम, आत्मषट्कम्, सौंदर्य लहरी आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

भारत में खाद्यान्न उत्पादन

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार के अनुसार भारत के पास वर्तमान बफर मानकों से तीन गुना अधिक खाद्यान्न भंडार है।

मुख्य बिन्दु:

- भारत के पास वर्तमान में लगभग 222 लाख मीट्रिक टन गेहूं और लगभग 380 लाख मीट्रिक टन चावल का भंडार है। इस तरह देश में कुल खाद्यान्न भंडार लगभग 602 लाख मीट्रिक टन है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत में खाद्यान्न उत्पादन

- कृषि निर्यात 34.5 अरब डॉलर (वित्त वर्ष 2020) से बढ़कर 51.1 अरब डॉलर (वित्त वर्ष 2025) हो गया। इसमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4% हो गई है, जो मूल्य संवर्धन का संकेतक है।
- बागवानी उत्पादन 362.08 मिलियन टन तक पहुँच गया। यह खाद्यान्न उत्पादन से अधिक है। इस तरह यह प्रदर्शन उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है।

भारत विश्व के प्रमुख उत्पादकों में शामिल है:

- दलहन (25.68 मिलियन टन), मिलेट्स और चावल (केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार) का सबसे बड़ा उत्पादक है, तथा
- गेहूं और फल-सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन में अग्रणी:

- मसाले और नारियल उत्पादन में प्रथम स्थान पर है;
- गन्ना, कपास और चाय उत्पादन में दूसरे स्थान पर है।

बफर स्टॉक

- बफर स्टॉक वह मात्रा है, जिसमें सरकार खाद्यान्नों को खरीदकर और भंडारण करके सुरक्षित रखती है, ताकि आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सके, कीमतों को स्थिर रखा जा सके और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।
- इससे जुड़े मानकों को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा तिमाही आधार पर तय किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पाम ऑयल

चर्चा में क्यों?

- वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच भारत में आयातित पाम ऑयल की मांग बढ़ सकती है।

मुख्य बिन्दु:

- भारत विश्व में पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है।

पाम ऑयल:

- पाम ऑयल अफ्रीकन ऑयल-पाम के पेड़ (एलेइस गिनीएन्सिस) के फल से प्राप्त होता है।

प्रकार:

- **क्रूड पाम ऑयल (फलों के गूदे से अर्क):** यह मुख्य रूप से खाना पकाने के लिए उपयोग किया जाता है।
- **पाम कर्नल ऑयल (बीज से अर्क):** इसका उपयोग गैर-खाद्य उद्देश्यों (सौंदर्य प्रसाधन, फार्मास्यूटिकल्स आदि) के लिए किया जाता है।

खेती:

- ऑयल पाम अफ्रीका की स्थानिक प्रजाति है।
- वर्तमान में, इंडोनेशिया और मलेशिया की वैश्विक आपूर्ति में 85% से अधिक की हिस्सेदारी है।
- भारत में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल प्रमुख ऑयल-पाम उत्पादक राज्य हैं। कुल उत्पादन में इनकी हिस्सेदारी 98% है।
- भारतीय ऑयल पाम पहलों में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- ऑयल पाम आदि शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत में खाद्य प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र

चर्चा में क्यों?

- भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि और उद्योग के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में उभरा है, जो मूल्यवर्धन को बढ़ावा देता है, किसानों की आय में सुधार करता है और निर्यात क्षमता का विस्तार करता है।

मुख्य बिन्दु:

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र

- खाद्य प्रसंस्करण से तात्पर्य कच्चे कृषि पदार्थों को उपभोग योग्य उत्पादों में परिवर्तित करने से है, जिसमें साधारण सफाई से लेकर जटिल औद्योगिक विनिर्माण तक शामिल है।
- यह तीन स्तरों पर संचालित होता है:
  - प्राथमिक प्रसंस्करण में उपज की सफाई, वर्गीकरण और पैकेजिंग शामिल है।
  - द्वितीयक प्रसंस्करण कच्चे माल को आटे जैसे मध्यवर्ती उत्पादों में परिवर्तित करता है।
  - तृतीयक प्रसंस्करण से तैयार खाने योग्य या पकाने योग्य खाद्य उत्पाद प्राप्त होते हैं।

महत्त्व

- खाद्य प्रसंस्करण से खाद्य पदार्थों की शेल्फ लाइफ बढ़ती है और संदूषण के जोखिम को कम करके खाद्य सुरक्षा में सुधार होता है।
- यह पोषण और सुविधा को बढ़ावा देता है, जिससे शहरी आबादी के लिए प्रसंस्कृत और तैयार भोजन उपलब्ध हो पाता है।
- यह क्षेत्र कृषि उत्पादों की मांग पैदा करके और मूल्य श्रृंखला में रोजगार सृजित करके किसानों की आय और ग्रामीण रोजगार को मजबूत करता है।
- यह निर्यात वृद्धि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का निर्यात कृषि निर्यात में 13.7% से बढ़कर 20.4% हो गया है (2014-15 से 2024-25 तक)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में वृद्धि के कारक

- भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश और शहरीकरण के कारण प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की माँग बढ़ रही है, और अनुमान है कि 2025 तक बाजार 263 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 470 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।
- डिजिटल परिवर्तन ने किसानों और बाजारों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने और ई-कॉमर्स तथा खाद्य वितरण प्लेटफार्मों के विस्तार को संभव बनाया है।
- 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जैसी सहायक नीतियों और पीएलआईएसएफपीआई जैसी योजनाओं ने निवेश को बढ़ावा दिया है।
- स्वास्थ्योन्मुखी और बाजरा आधारित उत्पादों में नवाचार और कृषि-तकनीक समाधानों को अपनाने से उत्पाद विविधता और गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

इस क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियाँ

- इस क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला खंडित है , जिसमें 86% से अधिक किसान छोटे और सीमांत किसान हैं, जो पैमाने और दक्षता को सीमित करते हैं।
- बुनियादी ढांचे की कमियों, विशेष रूप से शीत भंडारण में, के कारण फसल कटाई के बाद 25-30% तक नुकसान होता है।
- कई एजेंसियों को शामिल करने वाला एक जटिल नियामक ढांचा अनुपालन के बोझ और अनिश्चितता को बढ़ाता है।
- कौशल की कमी है, क्योंकि कार्यबल का केवल 3% ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षित है।
- वित्त तक सीमित पहुँच, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए, प्रौद्योगिकी और विस्तार में निवेश को प्रतिबंधित करती है।
- गुणवत्ता मानकों और निर्यात अनुपालन से संबंधित मुद्दों के कारण वैश्विक बाजारों में उत्पादों को अस्वीकार कर दिया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- प्लास्टिक पैकेजिंग जैसी पर्यावरणीय चिंताओं और स्थिरता संबंधी चुनौतियों के कारण नियामक दबाव बढ़ रहा है।
- कृषि उत्पादों की कीमतों में अस्थिरता उत्पादन और मूल्य निर्धारण में अनिश्चितता पैदा करती है।

सरकारी पहल

- प्रमुख योजनाओं में प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना का औपचारिकीकरण शामिल हैं।
- निवेश को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड के साथ मिलकर 2,000 करोड़ रुपये का एक विशेष खाद्य प्रसंस्करण कोष बनाया गया है ।

आगे का रास्ता

- उत्पादन केंद्रों के निकट एकीकृत खाद्य प्रसंस्करण समूहों का विकास करना।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का उपयोग करके प्रौद्योगिकी-संचालित आपूर्ति श्रृंखलाओं को अपनाना।
- वित्तीय सुधार जैसे कि क्षेत्र-विशिष्ट ऋण योजनाएँ और ऋण गारंटी।
- गुणवत्ता मानकीकरण और वैश्विक अनुपालन को मजबूत करने से निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी।
- एकल-खिड़की मंजूरी प्रणाली के माध्यम से नियामक प्रक्रिया को सरल बनाना।
- सतत प्रसंस्करण और पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग को बढ़ावा देना।
- अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समाजशास्त्र

दिव्यांग-अनुकूल जेल सुधार

चर्चा में क्यों?

- उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट की अध्यक्षता वाली एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति को निर्देश दिया कि वह अपने अध्ययन क्षेत्र को केवल खुले-जेल सुधार गृहों को सुव्यवस्थित करने तक सीमित न रखे, बल्कि इससे आगे भी विस्तार करे।

मुख्य बिन्दु:

- पैनल को अब सुरक्षा आवश्यकताओं को बनाए रखते हुए पूरे भारत में जेलों को दिव्यांग-अनुकूल बनाने की योजना तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।
- न्यायालय ने मानवीय और अधिकार-आधारित दृष्टिकोण पर जोर दिया। न्यायालय के अनुसार, यह सुनिश्चित करना होगा कि कारावास के दौरान अनुच्छेद-14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद-21 (गरिमा के साथ जीने का अधिकार) का हनन न हो।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

उच्चतम न्यायालय का निर्देश:

- **समिति को निम्नलिखित के लिए एक खाका तैयार करने का कार्य सौंपा गया है:**
  - **आवागमन में सुविधा:** रैंप, सुलभ शौचालय और स्पर्शनीय फर्श।
  - **सहायक तकनीक:** हियरिंग एड, व्हीलचेयर और ब्रेल सामग्री का प्रावधान।
  - **चिकित्सा देखभाल:** विशेष मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं और शारीरिक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

स्माइल योजना

चर्चा में क्यों?

- स्माइल योजना भारत भर में कमजोर समुदायों के समावेशी पुनर्वास और सामाजिक पुनर्एकीकरण को बढ़ावा देकर लोगों के जीवन को बदल रही है।

मुख्य बिन्दु:

- वर्ष 2022 में शुरू की गई, आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर रहने वाले व्यक्तियों के लिए सहायता योजना का कार्यान्वयन केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया जाता है ।
- यह भारत का पहला एकीकृत राष्ट्रीय ढांचा है जिसे कमजोर समूहों को पहचान और बचाव से लेकर स्वास्थ्य सेवा, पुनर्वास, शिक्षा, परामर्श, कौशल विकास और दीर्घकालिक आर्थिक स्वतंत्रता तक हर स्तर पर सहायता प्रदान करने के लिए बनाया गया है।
- इस योजना का दूसरा घटक ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए है।
- **उद्देश्य:** धार्मिक, पर्यटन और ऐतिहासिक शहरी क्षेत्रों को "भिखारी-मुक्त" बनाना।
- **प्रगति:** जनवरी 2026 तक, भीख मांगने के कृत्य में लिप्त पाए गए कुल 30,257 व्यक्तियों की पहचान की गई है, और विभिन्न शहरों में 8,129 व्यक्तियों का पुनर्वास किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

मीथेन उत्सर्जन

चर्चा में क्यों?

- "स्पॉटलाइट ऑन द टॉप 25 मीथेन प्ल्यूम्स इन 2025: लैंडफिल्स" रिपोर्ट में भारत के दो अपशिष्ट स्थलों को विश्व स्तर पर शीर्ष मीथेन उत्सर्जकों में सूचीबद्ध किया गया है। यह रिपोर्ट यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया (UCLA) द्वारा जारी की गई है।

मुख्य बिन्दु:

- इन स्थलों में तेलंगाना के सिकंदराबाद और महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित अपशिष्ट केंद्र शामिल हैं। ये केंद्र प्रति घंटे 4.9 टन मीथेन का उत्सर्जन करते हैं।

मीथेन:

- यह शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है। कार्बन डाइऑक्साइड के बाद यह ग्लोबल वार्मिंग का दूसरा सबसे बड़ा कारण है।
- हालांकि, मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में पृथ्वी के वायुमंडल में कम समय तक रहती है, इसके बावजूद, यह ऊष्मा को अवरुद्ध रखने में कहीं अधिक शक्तिशाली है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पृथ्वी दिवस

चर्चा में क्यों?

- 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया गया। वर्ष 2026 की थीम 'आवर पॉवर आवर प्लेनेट' है, जो नवीकरणीय ऊर्जा पर केंद्रित है।

मुख्य बिन्दु:

पृथ्वी दिवस:

- प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिवस 1970 में आधुनिक पर्यावरण आंदोलन के जन्म की वर्षगांठ का प्रतीक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास:

- **पहला पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल, 1970):** यह अमेरिका में संधारणीय परिवर्तन की मांग करने वाले एक देशव्यापी जन विरोध के रूप में शुरू हुआ था।
- इसके कारण अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी का गठन हुआ और स्वच्छ वायु अधिनियम बनाया गया।
- **वैश्विक स्तर पर (1990):** दुनिया भर में पर्यावरण आंदोलन को व्यापक बनाने, लोगों को इसके बारे में शिक्षित करने और सक्रिय करने के लिए 1990 में इसका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार हुआ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

शेखा झील पक्षी अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

- भारत ने उत्तर प्रदेश में स्थित शेखा झील पक्षी अभयारण्य को अपना 99वाँ रामसर स्थल घोषित किया है, जिससे उत्तर प्रदेश में अब इस सूची में 12 स्थल हो गए हैं।

मुख्य बिन्दु:

शेखा झील पक्षी अभयारण्य

- यह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में ऊपरी गंगा नहर द्वारा निर्मित एक मीठे पानी का आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र है।
- यह मध्य एशियाई फ्लाईवे पर प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण पर्यावास स्थल है और बार-हेडेड गूज, पेंटेड स्टॉर्क और विभिन्न प्रकार की बत्तखों और जलपक्षियों जैसी प्रजातियों के लिए शीतकालीन आवास स्थल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रामसर स्थल में भारत के नवीनतम जुड़ाव

- **सिलीसेढ़ झील (राजस्थान):** 95वां रामसर स्थल
- **कोपरा जलाशय (छत्तीसगढ़):** 96वां रामसर स्थल
- **पटना पक्षी अभयारण्य (उत्तर प्रदेश):** 97वां रामसर स्थल
- **छारी-ढांड संरक्षण रिजर्व (गुजरात):** 98वां रामसर स्थल

रामसर कन्वेंशन क्या है?

- रामसर कन्वेंशन अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि के पारिस्थितिक स्वरूप को संरक्षित करने के लिए सदस्य देशों द्वारा हस्ताक्षरित सबसे पुराने अंतर-सरकारी समझौतों में से एक है।
- इस पर 2 फरवरी, 1971 को ईरान के रामसर में हस्ताक्षर किए गए थे और यह 1975 में लागू हुआ था।
- भारत 1982 में रामसर कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता बना ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

T-72/T-90 टैंकों के लिए ट्रॉल असेंबली

चर्चा में क्यों?

- रक्षा मंत्रालय ने T-72/T-90 टैंकों के लिए ट्रॉल असेंबली की खरीद हेतु भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (BEML) और इलेक्ट्रो न्यूमैटिक्स एंड हाइड्रोलिक्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

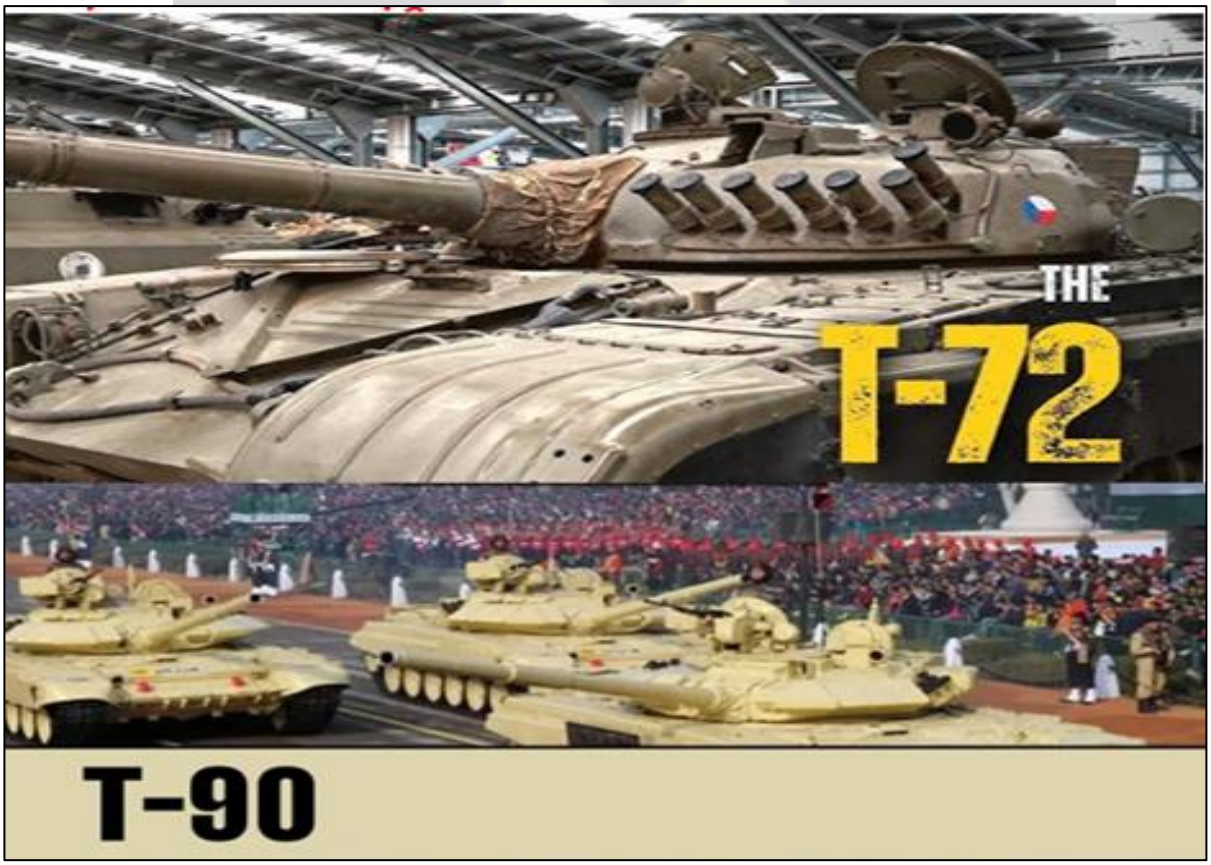

मुख्य बिन्दु:

ट्रॉल (TRAWL) असेंबली:

- यह T-72 और T-90 जैसे युद्धक टैंकों पर बारूदी सुरंग हटाने वाला एक उपकरण है। इसका उपयोग सुरक्षित रूप से बारूदी सुरंगों के क्षेत्रों को भेदने के लिए किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

टैंकों के बारे में:

- **T-72 (अजेय):** पूर्व-सोवियत संघ का मुख्य युद्धक टैंक है, जिसे 1973 में सेवा में शामिल किया गया था। इसकी लगभग 25,000 इकाइयाँ बनाई गईं थीं।
- T-72 में एक NBC (परमाणु, जैविक, रासायनिक) सुरक्षा प्रणाली है। इसे जलमग्न नदी पार करने सहित गहरे जल में संचालित करने के लिए विकसित किया गया है।
- **T-90:** यह रूसी मुख्य युद्धक टैंक है, जो T-72 का एक आधुनिक संस्करण है। इसने 1992 में सेवा शुरू की थी।
- भारत T-90 का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है। यहाँ इसके "भीष्म" संस्करण का उपयोग होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू 2026 रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- एम्बर ने सातवीं वार्षिक 'ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू 2026' रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- यह रिपोर्ट 2025 में वैश्विक और राष्ट्रों के स्तर पर बिजली उत्पादन का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है। साथ ही, यह बताती है कि स्वच्छ ऊर्जा तेजी से बिजली की बढ़ती मांग को पूरा कर रही है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **सौर ऊर्जा द्वारा मांग की पूर्ति:** वर्ष 2025 में विश्व में बिजली की मांग में वृद्धि का लगभग 75% सौर ऊर्जा ने पूरा किया। इस तरह सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा में मुख्य योगदानकर्ता बनकर उभरी।
- **नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी:** वर्ष 2025 में, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों ने वैश्विक बिजली उत्पादन में रिकॉर्ड 33.8% का योगदान दिया, जो कोयले (33.0%) के योगदान से भी अधिक है। ऐसा पिछली एक सदी में पहली बार हुआ है।
- **जीवाश्म ईंधन स्रोतों के योगदान में गिरावट:** जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन में -0.2% का आंशिक बदलाव दर्ज हुआ, जो इसमें ठहराव/गिरावट को दर्शाता है।

रिपोर्ट में भारत से संबद्ध तथ्य:

- **जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन में कमी:** भारत में जीवाश्म ईंधन स्रोतों से बिजली उत्पादन में 3.3% की गिरावट दर्ज की गई।
- **स्वच्छ ऊर्जा का तेजी से विस्तार:** नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में 24% की वृद्धि दर्ज की गई। भारत में अब सौर ऊर्जा, जलविद्युत को पीछे छोड़कर सबसे बड़ा स्वच्छ ऊर्जा स्रोत बन गई है।
- **सौर ऊर्जा क्षमता का रिकॉर्ड:** भारत ने 2025 में 38 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी, और इस मामले में यह पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया।
- **विश्व स्तर पर प्रभाव बनाने में सफलता:** चीन के साथ मिलकर भारत ने दुनिया भर में जीवाश्म ईंधन के बढ़ते इस्तेमाल को रोकने में मदद की।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR